IAS 2027-28

संस्कृति IAS



01 बिगनर्स-फ्रेंडली स्ट्रक्चर

02 व्यवस्थित और सुनियोजित तैयारी

03 प्रत्येक विषय में मजबूत आधार

04 समग्र शैक्षणिक अध्ययन

05 फ़ैकल्टी द्वारा संचालित जीएस क्लासरूम प्रोग्राम

06 नियमित क्लास टेस्ट

07 आत्मविश्वास बढ़ाने वाला दृष्टिकोण

08 प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज़

09 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम कवरेज

10 पाठ्यक्रम की समयबद्ध पूर्णता

परिचय पुस्तिका

9555-124-124
sanskritiias.com

दिल्ली एवं प्रयागराज केंद्र











परिचय

**"आपकी महत्वाकांक्षा ही हमारा मिशन है,
संस्कृति IAS एक मार्ग प्रदान करता है,
मंज़िल तक पहुँचने का हौसला, आपको जगाना है।"**

संस्कृति IAS : भावी सिविल सेवकों को तैयार करना

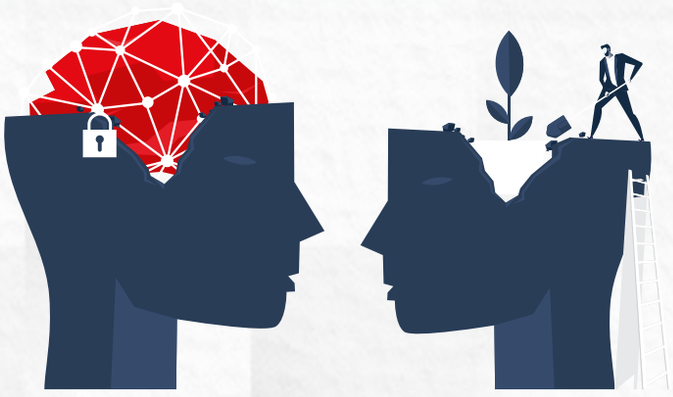
संस्कृति IAS में हम केवल कोचिंग नहीं देते, बल्कि हम उत्कृष्टता को आकार देते हैं। विश्वास और समर्पण की मज़बूत नींव पर खड़ी यह संस्था यूपीएससी (आईएएस) और राज्य पीसीएस के अभ्यर्थियों को एक ऐसा शैक्षणिक वातावरण प्रदान करती है, जो उन्हें भीतर से बदल देता है। हमारी शैक्षणिक सोच बिल्कुल स्पष्ट है— कठिन परिश्रम और अंतिम चयन के बीच की खाई को एक सुव्यवस्थित, परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण से पाटना।

हम औरों से अलग क्यों हैं?

- **विशिष्ट फैकल्टी पैनल :** संस्कृति IAS की असली पहचान हमारे अनुभवी और विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम है। वर्षों के अनुभव और गहरी विशेषज्ञता से युक्त ये शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, बल्कि मार्गदर्शक बनकर हर छात्र को सिविल सेवा के विस्तृत पाठ्यक्रम में महारत हासिल करने के लिए वह बौद्धिक समझ विकसित करते हैं, जो सफलता के लिए अनिवार्य है।
- **शिक्षक-केंद्रित शैक्षणिक पद्धति :** हमारी पढ़ाई किसी साधारण कोचिंग सामग्री पर नहीं, बल्कि हमारे विशेषज्ञों की सोच पर आधारित है। इससे कक्षा का माहौल हमेशा जीवंत और प्रासंगिक बना रहता है। यूपीएससी/पीसीएस परीक्षा के बदलते स्वरूप के साथ कदम मिलाते हुए हम हर छात्र में गहरी वैचारिक समझ विकसित करते हैं।
- **विस्तृत एवं एकीकृत अध्ययन सामग्री :** हमारी शैक्षणिक एवं शोध टीम अत्यंत सावधानी से ऐसी अध्ययन सामग्री तैयार करती है जो द हिन्दू, द इंडियन एक्सप्रेस, पीआईबी और सरकारी पत्रिकाओं जैसे उच्च-स्तरीय स्रोतों का सार एक जगह समेटे होती है, यानी छात्रों को इधर-उधर भटकने की ज़रूरत नहीं; सब कुछ एक ही जगह पर उपलब्ध होता है।
- **सख्त मूल्यांकन प्रणाली :** हम मानते हैं कि 'जो मापा जाता है, वही सुधरता है।' इसीलिए हमारे छात्र नियमित टेस्ट सीरीज में शामिल होते हैं जो वास्तविक परीक्षा के माहौल की हूबहू कॉपी होती है। साथ ही साथ कक्षा में भी निरंतर टेस्ट होते हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली हर छात्र को उसकी कमज़ोरियाँ समझने और उन्हें शीघ्र-अतिशीघ्र दूर करने का अवसर देती है।

संस्कृति IAS की वे विशेषताएँ जो हमें सर्वश्रेष्ठ बनाती हैं

जहाँ अन्य संस्थाएँ केवल पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान देती हैं, वहीं हम **'योग्यता'** विकसित करने पर बल देते हैं। हमारी सबसे बड़ी ताकत यह है कि हम परंपरागत पाठ्यक्रम और समसामयिक घटनाओं को एक सूत्र में पिरोते हैं और अपने विद्यार्थियों को ऐसे उत्तर लिखना सिखाते हैं, जिनमें एक भावी सिविल सेवक की परिपक्वता और दूर-दृष्टि झलकती हो। हम केवल जानकारी नहीं देते; बल्कि वह **विश्लेषणात्मक सोच** विकसित करते हैं, जो भारत की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं को दीर्घकालिक सफलता के साथ पार करने के लिए अनिवार्य है।



हमारा फोकस

- अध्ययन करें भारत के शीर्ष फैकल्टी पैनल से जिनका 10-20 वर्षों का शैक्षणिक अनुभव है।
- उच्च-गुणवत्ता वाली विस्तृत अध्ययन सामग्री / नोट्स प्राप्त करें।
- विषय विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत मार्गदर्शन / मेंटरशिप का लाभ उठाएँ।
- आधुनिक कक्षा सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित करें।
- प्रभावी एवं कुशल प्रबंधन वाली व्यवस्थित संस्था में अध्ययन करें।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की राह

- यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को भारत की 'सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा' केवल इसलिए नहीं कहा जाता कि यह प्रतिष्ठित है; बल्कि इसलिए कि यह एक अभ्यर्थी की मानसिक दृढ़ता और बौद्धिक गहराई की कठोर परीक्षा लेती है। यह एक थका देने वाली दौड़ है, जो पूरे एक वर्ष में तीन कठिन चरणों में अभ्यर्थी के धैर्य और निरंतरता को परखती है।
- इसकी सबसे बड़ी चुनौती है, इसका विस्तृत और विविधतापूर्ण पाठ्यक्रम। प्राचीन भारत के इतिहास से लेकर संवैधानिक सिद्धांतों, जटिल आर्थिक नीतियों, अत्याधुनिक विज्ञान और बदलते अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तक — ज्ञान का यह महासागर अथाह है। संस्कृति IAS में हम सीखते हैं कि इस विस्तृत पाठ्यक्रम को केवल रटकर नहीं पूरा किया जा सकता। इसके लिए चाहिए एक सामान्य रणनीतिक दृष्टिकोण — यानी परंपरागत तथ्यों को बदलते हुए समसामयिक घटनाक्रमों से जोड़ने की कला।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा तीन चरणों में आयोजित होती है :

1. प्रारंभिक परीक्षा
2. मुख्य परीक्षा
3. व्यक्तित्व परीक्षण

नोट : उम्मीदवारों को सेवा का आवंटन उनकी सीएससी मेरिट रैंक, सेवा वरीयता और श्रेणी— सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आधार पर किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा

कुल अंक: 400

(दो वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र)

सामान्य अध्ययन पेपर-I

परीक्षा समय: सुबह 9:30 से 11:30 बजे

- **100 प्रश्न**
- **200 अंक**
- **प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न के लिए 2.0 अंक**

सामान्य अध्ययन पेपर-I (CSAT)

परीक्षा समय: दोपहर 2:30 से 4:30 बजे

- **80 प्रश्न**
- **200 अंक**
- **प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न के लिए 2.5 अंक**

न्यूनतम योग्यता अंक: 33% (66 अंक)

- 1/3 नकारात्मक अंकन (गलत उत्तर पर 0.66/0.83 अंक की कटौती) अनुत्तरित प्रश्नों पर कोई कटौती नहीं।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र की अवधि 120 मिनट (2 घंटे)
- दोनों प्रश्नपत्र एक ही दिन आयोजित होते हैं।



संस्कृति IAS में हम इसी चुनौतीपूर्ण पैटर्न को समझकर अभ्यर्थियों को एक अच्छी तैयारी, गहन अवधारणा समझ और वर्तमान केस स्टडी के साथ परंपरागत ज्ञान को जोड़ने की कला सिखाते हैं—ताकि आप न केवल प्रिलिम्स पास करें, बल्कि मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार तक मजबूती से पहुँचे।

मुख्य परीक्षा

- मुख्य परीक्षा में कुल नौ वर्णनात्मक प्रश्नपत्र होते हैं।
- इनमें से भाषा के दो प्रश्नपत्र केवल अर्हक प्रकृति (qualifying nature) के होते हैं। इनके अंक अंतिम मेरिट सूची में नहीं जुड़ते हैं।

कुल अंक: 1750

निबंध
250 अंक

सामान्य अध्ययन-I, II, III & IV
1000 अंक

वैकल्पिक विषय पेपर-I
250 अंक

वैकल्पिक विषय पेपर-II
250 अंक

निबंध

उम्मीदवार को किसी निर्धारित विषय पर अपनी चुनी हुई भाषा या माध्यम में निबंध लिखना होगा, जिसके लिए उन्हें विषयों का विकल्प दिया जाएगा। उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे निबंध के विषय पर केंद्रित रहें, अपने विचारों को सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करें और संक्षिप्त एवं सटीक भाषा का प्रयोग करें। प्रभावशाली और यथार्थ अभिव्यक्ति के लिए विशेष अंक दिए जाएंगे।

सामान्य अध्ययन-I :	**सामान्य अध्ययन-II :**	**सामान्य अध्ययन-III :**	**सामान्य अध्ययन-IV :**
भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज	शासन व्यवस्था, संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध	प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन	नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

व्यक्तित्व परीक्षण (Personality Test)

- व्यक्तित्व परीक्षण एक साक्षात्कार के रूप में आयोजित किया जाता है, जिसमें विशेषज्ञों का एक सुयोग्य दल अभ्यर्थी का समग्र मूल्यांकन करता है।
- यह परीक्षण अभ्यर्थी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व, निर्णय लेने की क्षमता, तात्कालिक सजगता, संज्ञानात्मक एवं विश्लेषणात्मक योग्यता तथा संप्रेषण कौशल आदि को परखता है।
- अंतिम मेरिट सूची में जिन अभ्यर्थियों के नाम सम्मिलित होते हैं, उन्हें संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को अनुशंसित किया जाता है। उन्हें आवंटित होने वाली सिविल सेवा का निर्धारण उनकी मुख्य परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के संयुक्त प्राप्तांकों के आधार पर तैयार वरीयता क्रम से होता है।



निर्धारित अंक : 275 अंक

अंतिम कुल अंक :
1750 (मुख्य परीक्षा) + 275 (व्यक्तित्व परीक्षण) = 2025 अंक

UPSC प्रारंभिक परीक्षा पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-I

इस प्रश्नपत्र में कुल 100 प्रश्न होते हैं, जिनके कुल निर्धारित अधिकतम 200 अंक होते हैं। इसे 2 घंटे में हल करना होता है। यह प्रश्नपत्र विस्तृत रूप से निम्नलिखित विषयों को कवर करता है-

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएँ।
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन।
- भारत एवं विश्व का भूगोल, भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल।
- भारतीय राज्यतंत्र और शासन, संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे आदि।
- आर्थिक और सामाजिक विकास, सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि।
- पर्यावरणीय पारिस्थितिकी जैव-विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।
- सामान्य विज्ञान





सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-II

सिविल सेवा योग्यता परीक्षण (CSAT) प्रश्नपत्र में 80 प्रश्न होते हैं, जिनके कुल निर्धारित अधिकतम 200 अंक होते हैं। इसे 2 घंटे में हल करना होता है। यह प्रश्नपत्र निम्नलिखित विषयों पर आधारित होता है-

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएँ और उनके संबंध, विस्तार क्रम आदि दसवीं कक्षा का स्तर), आँकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आँकड़ों की पर्याप्तता आदि दसवीं कक्षा का स्तर)

UPSC मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन-I : भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज

- भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।
- 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास-महत्वपूर्ण घटनाएँ , व्यक्तित्व, विषय।
- स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
- स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन।
- विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएँ, यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र, जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।
- भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ, भारत की विविधता।
- महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय।
- भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।
- सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता।
- विश्व के भौतिक-भूगोल की मुख्य विशेषताएँ ।
- विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक।
- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ , भूगोलीय विशेषताएँ और उनके स्थान-अति महत्वपूर्ण भूगोलीय विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।

सामान्य अध्ययन-II : शासन व्यवस्था, संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध

- भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ , संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण एवं उसकी चुनौतियाँ।
- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।
- संसद और राज्य विधायिका संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य, सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ ।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियाँ, कार्य और उत्तरदायित्व।
- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।
- सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय।
- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।
- केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।
- गरीबी और भूख से संबंधित विषय।
- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ , सीमाएँ और संभावनाएँ ; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।
- भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह एवं भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
- भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।
- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच, उनकी संरचना, अधिदेश।

सामान्य अध्ययन-III : प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता,पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन

- भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय।
- समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।
- सरकारी बजट।
- मुख्य फसलें, देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न, सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएँ; किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्य, सीमाएँ , सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषयः प्रौद्योगिकी मिशन; पशु-पालन संबंधी अर्थशास्त्र।
- भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग, कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएँ , आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन ।
- भारत में भूमि सुधार।
- उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।
- बुनियादी ढाँचा : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।
- निवेश मॉडल।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
- सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता।
- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।
- आपदा और आपदा प्रबंधन।
- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।
- आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन, संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।
- विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएँ तथा उनके अधिदेश।

सामान्य अध्ययन-IV : नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति एवं उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न-पत्रों में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है। मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।

- नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंधः मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणामः नीतिशास्त्र के आयामः निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र। मानवीय मूल्य - महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
- अभिवृत्तिः सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्तिः विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा।
- सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।
- भावनात्मक समझः अवधारणाएँ तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।
- लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्रः स्थिति तथा समस्याएँ; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएँ तथा दुविधाएँ, नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्माः शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कारपोरेट शासन व्यवस्था।
- शासन व्यवस्था में ईमानदारीः लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)

सामान्य अध्ययन (Pre-cum-Mains)

फाउंडेशन कोर्स

सामान्य अध्ययन : प्रिलिम्स एवं मेन्स कोर्स (15 महीने में)

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का व्यापक कार्यक्रम

प्री-कम-मेन्स परीक्षा की एकीकृत शैक्षणिक पद्धति

हम परीक्षा की तैयारी की परंपरागत सोच को तोड़ते हैं। हमारा शिक्षण-दर्शन यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक विषय को समग्र रूप से पढ़ाया जाए; जहाँ एक ओर प्रारंभिक परीक्षा के लिए तथ्यात्मक आधार तैयार होता हो, वहीं दूसरी ओर मुख्य परीक्षा के उत्तर-लेखन के लिए आवश्यक विश्लेषणात्मक गहराई भी विकसित होती हो।

संस्कृति IAS का विशेषज्ञ फैकल्टी पैनल

इस फील्ड के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों से सीखिए। हमारे शिक्षक केवल अध्यापक नहीं, बल्कि अपने-अपने विषयों के सिद्धहस्त विशेषज्ञ हैं — जो गहन अध्येता हैं और यूपीएससी की नवीनतम प्रवृत्तियों से भली-भाँति अवगत हैं तथा एक फैकल्टी-**केंद्रित मेंटरशिप मॉडल** के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं।

पाठ्यक्रम समय-सीमा के प्रति प्रतिबद्धता

हम आपके समय का सम्मान करते हैं। हमारा शैक्षणिक कैलेंडर पहले दिन से ही निर्धारित होता है, जो विस्तृत पाठ्यक्रम को समय पर पूर्ण करने का आश्वासन देता है।

शोध-आधारित अद्यतन पाठ्य सामग्री

पुरानी और घिसी-पिटी पाठ्यपुस्तकों से अब आगे बढ़िए। हमारे विद्यार्थियों को ऐसी **व्यापक एवं परीक्षा-केंद्रित पुस्तिकाएँ** प्राप्त होती हैं, जो एनसीइआरटी, मानक संदर्भ पुस्तकों और सरकारी रिपोर्टों सहित **10 से अधिक स्रोतों** के सार को एक ही स्थान पर सरल, सुव्यवस्थित और सुपाच्य रूप में संकलित करती हैं।

द्वि-स्तरीय परीक्षण प्रणाली

हमारी कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया दो स्तरों पर संचालित होती है— **साप्ताहिक एवं पाक्षिक क्लास टेस्ट**, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि पढ़ा हुआ विषय तत्काल स्मृति में बना रहे और **प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की विशेष टेस्ट सीरीज़**, जो आपकी समग्र तैयारी का वास्तविक आकलन करती है।

उत्कृष्ट उत्तर-लेखन पर विशेष बल

मुख्य परीक्षा में सफलता का असली हथियार कलम है। पहले महीने से ही हम अपने विद्यार्थियों में उत्तर-लेखन की कला को इस प्रकार रचते-बसाते हैं कि वह उनके स्वभाव का हिस्सा बन जाए। उत्तर की **संरचना**, विचारों का **सहज प्रवाह** और **आँकड़ों एवं मानचित्रों का प्रभावी समावेश**- इन तीनों पर विशेष ध्यान देते हुए हम एक सामान्य विद्यार्थी को उच्च-अंक प्राप्त करने वाले आत्मविश्वासी अभ्यर्थी में रूपांतरित करते हैं।



विगत वर्षों के प्रश्नों के माध्यम से तैयारी

हमारा शैक्षणिक कार्यक्रम यूपीएससी एवं राज्य पीसीएस के **विगत वर्षों के प्रश्नों** के इर्द-गिर्द केंद्रित है, ताकि अभ्यर्थी हालिया प्रवृत्तियों से भली-भाँति परिचित हो सकें और सामान्य अध्ययन व समसामयिक घटनाक्रमों की तैयारी में उनके साथ कदम-से-कदम मिलाकर चल सकें।

लाइव ऑनलाइन : सामान्य अध्ययन

(प्री-कम-मेन्स परीक्षा की तैयारी) फाउंडेशन कोर्स

डिजिटल क्रांति

ऑनलाइन शिक्षा यूपीएससी की तैयारी का भविष्य क्यों है?

कोविड-पश्चात् के इस युग में सिविल सेवा की तैयारी का परिदृश्य एक ऐतिहासिक बदलाव से गुज़रा है। अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल दिल्ली की तंग गलियों या ऑफलाइन कोचिंग की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही। वास्तव में, टेक्नोलॉजी ने उत्कृष्टता को सबके लिए सुलभ बना दिया है।

लाइव ऑनलाइन शिक्षा एक श्रेष्ठ विकल्प के रूप में उभरी है; जो अभ्यर्थियों को बिना किसी शैक्षणिक गुणवत्ता से कोई समझौता किए बगैर सुरक्षा, सुविधा और उल्लेखनीय आर्थिक बचत का लाभ देती है। यह लंबी यात्राओं की शारीरिक और मानसिक थकान को समाप्त करती है तथा उस बचे हुए समय को विद्यार्थी गहन स्व-अध्ययन तथा बार-बार रीविजन में लगा सकते हैं।



आज भारत के सुदूरतम कोने में बैठा एक विद्यार्थी भी राष्ट्रीय राजधानी के अभ्यर्थियों के साथ समान प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिस्पर्धा कर सकता है; वही श्रेष्ठ शिक्षक, वही उच्च-गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री और वह भी वास्तविक समय में।

संस्कृति IAS लाइव इंटरैक्टिव इकोसिस्टम

हमारी ऑनलाइन शिक्षण-पद्धति

संस्कृति IAS में हम केवल कक्षाएँ 'स्ट्रीम' नहीं करते; बल्कि हम डिजिटल माध्यम से फिजिकल क्लासरूम के अनुभव को डिजिटल रूप से फिर से तैयार करते हैं। हमारा ऑनलाइन फाउंडेशन प्रोग्राम **सहभागिता, सुलभता और टेक्नोलॉजी-आधारित मूल्यांकन के** मज़बूत स्तंभों पर आधारित है।

- **रीयल-टाइम इंटरैक्टिव क्लासरूम :** हमारी कक्षाएँ हाई-डेफिनिशन डिजिटल बोर्ड का उपयोग करके सीधे प्रसारित की जाती हैं। हमारे डेडीकेटेड **संस्कृति IAS मोबाइल ऐप** के ज़रिए विद्यार्थी कक्षा के दौरान तत्काल प्रश्न पूछ सकते हैं और फैकल्टी से सीधे संवाद कर सकते हैं; ताकि लेक्चर के दौरान कोई भी शंका अनसुलझी न रह जाए।



- **आसानी से शंकाओं का समाधान :** लाइव क्लास के अलावा, हमारे पास एक खास व्हाट्सएप सपोर्ट सिस्टम भी है। छात्र किसी भी समय अपने सवाल भेज सकते हैं, जिनका जवाब विषय विशेषज्ञ एक तय समय-सीमा के अंदर देते हैं।
- **विश्लेषण-सहित ऑनलाइन टेस्ट सीरीज़ :** मूल्यांकन ही सफलता की कुंजी है। हमारे ऑनलाइन विद्यार्थी एक उन्नत इंटरफेस के माध्यम से नियमित **प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा टेस्ट** में भाग लेते हैं, जो **AI-आधारित प्रदर्शन विश्लेषण** प्रदान करता है, जिससे आप पूरे भारत में हज़ारों प्रतिभागियों के बीच अपनी स्थिति को सटीक रूप से जान सकते हैं।
- **लाइव उत्तर-लेखन एवं मूल्यांकन :** हमारी विशिष्ट शिक्षण-पद्धति में **लाइव उत्तर-लेखन सत्र** सम्मिलित हैं, जिनमें शिक्षक वास्तविक समय में उत्तर की संरचना और प्रवाह पर चर्चा करते हैं। ऑनलाइन विद्यार्थी अपने हस्तलिखित उत्तर ऐप के माध्यम से जमा करते हैं, जिनका मूल्यांकन हमारी विशेषज्ञ टीम द्वारा **विस्तृत एवं व्यक्तिगत फीडबैक** के साथ किया जाता है।

सीसैट कोर्स

हाल के वर्षों में, सामान्य अध्ययन पेपर-II (सीसैट) यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में एक 'कठिन बाधा' के रूप में उभरा है, जो प्रायः सबसे अच्छी तैयारी वाले उम्मीदवारों के लिए भी निर्णायक कारक बन जाता है। संस्कृति IAS में, हमारा 2-3 महीने का सीसैट स्पेशलाइज़ेशन प्रोग्राम इस चुनौती को स्कोर करने के अवसर में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हम रटे-रटाए फ़ॉर्मूलों से आगे बढ़कर एक मज़बूत वैचारिक आधार और एक 'गणितीय मानसिकता' बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो छात्रों को सबसे अप्रत्याशित प्रश्नों को भी आत्मविश्वास और गति के साथ हल करने में सक्षम बनाती है।

हमारे सीसैट प्रोग्राम की मुख्य विशेषताएँ

- **2-3 महीने का विस्तृत अभ्यास :** हम पूरे पाठ्यक्रम का विस्तृत कवरेज प्रदान करते हैं, जिसमें बेसिक न्यूमेरेसी, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, लॉजिकल रीजनिंग और रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन शामिल हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी विषय छूट न जाए।
- **तार्किक 'स्मार्ट-ट्रिक्स' और स्पीड टेकनिक्स :** एक ऐसे पेपर में जहाँ समय सबसे बड़ा दुश्मन होता है, हम आपको विशेष शॉर्टकट और एलिमिनेशन तकनीकों से युक्त करते हैं। जटिल परम्यूटेशन, कॉम्बिनेशन और नंबर सिस्टम की समस्याओं को 60 सेकंड से भी कम समय में, बिना सटीकता से समझौता किए हल करना सीखें।
- **हाई वॉल्यूम प्रैक्टिस इकोसिस्टम :** दक्षता पुनरावृत्ति से आती है। हमारे प्रोग्राम में हज़ारों चुने हुए अभ्यास प्रश्न और विशेष रूप से तैयार की गई वर्कबुक शामिल हैं, जो आपको 'बेसिक' से 'यूपीएससी स्तर' की कठिनाई की ओर बढ़ने में मदद करती हैं और परीक्षा के नवीनतम प्रवृत्तियों को प्रतिबिंबित करती हैं।
- **कॉम्प्रिहेंशन रणनीति मास्टरक्लास :** हमारे फ़ैकल्टी आपको वैज्ञानिक सटीकता के साथ रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन पैसेज के मूलभाव, निष्कर्ष और धारणा की पहचान की कला सिखाते हैं, जिससे नेगेटिव मार्किंग में उल्लेखनीय कमी आती है।

निबंध कोर्स

निबंध प्रश्नपत्र प्रायः यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का 'मूक निर्णायक' होता है। यह वह प्रश्नपत्र है जो उच्च अंकों की असीम संभावना लिए होता है और किसी भी अभ्यर्थी को अंतिम मेरिट सूची में पहुँचाने की क्षमता रखता है। परंतु अमूर्त और दार्शनिक विषयों की ओर बढ़ते झुकाव के साथ निबंध अब केवल जानकारी की परीक्षा नहीं रहा; यह अब व्यक्ति की बौद्धिक गहराई की कसौटी बन चुका है।
संस्कृति IAS में हमारी डेडीकेटेड निबंध मास्टरक्लास इसी उद्देश्य से तैयार की गई है, ताकि आप केवल सामग्री संग्रहकर्ता न रहें, बल्कि एक विचारशील और प्रभावशाली लेखक के रूप में उभरें। हम आपको सिखाते हैं कि किस प्रकार जटिल मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, राजनीति विज्ञान के ढाँचों और समाजशास्त्रीय आयामों को एक सहज और प्रवाहमय 1000-1200 शब्दों की एक ऐसी सहज कहानी में पिरोया जाए; जो परीक्षक की बुद्धि को सीधे स्पर्श करे।

यूपीएससी निबंध की कला में दक्षता : हमारा शैक्षणिक दृष्टिकोण

हमारा 10-12 सत्रों का मॉड्यूल उच्च-अंक प्राप्त करने वाले निबंध-लेखन की कला में गहराई से उतरता है — यह 'प्रस्तावना-मुख्य भाग-निष्कर्ष' की सामान्य परिपाटी से कहीं आगे की यात्रा है।

- **दार्शनिक एवं अमूर्त विषयों का विश्लेषण :** हम अमूर्त विषयों के 'क्यों' और 'कैसे' को समझाने में माहिर हैं। हमारे सत्र आपको दार्शनिक उद्धरणों को समझने और नैतिकता, मनोविज्ञान तथा वास्तविक जीवन के उदाहरणों के सम्मिश्रण से बहुआयामी तर्क गढ़ना सिखाते हैं।
- **संस्कृति IAS का बहुआयामी ढाँचा :** किसी भी विषय का विश्लेषण PESTEL-H (राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, पर्यावरणीय, कानूनी और ऐतिहासिक) दृष्टिकोण से करना सीखिए। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी लेखन शैली संतुलित और समग्र हो, तथा उसमें मानवीय अनुभवों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया हो।
- **तालमेल और संरचनात्मक प्रवाह :** निबंध सिर्फ़ सामान्य अध्ययन के उत्तरों की एक श्रृंखला नहीं होता; बल्कि यह एक सहज बातचीत की तरह होना चाहिए। हम आपको 'विषय बदलने' का विशेष प्रशिक्षण देते हैं, ताकि आपके विचार एक पैराग्राफ़ से दूसरे पैराग्राफ़ तक तार्किक रूप से प्रवाहित हों और 1200 शब्दों की पूरी कहानी में एक ही मुख्य विषय बना रहे, जिससे पढ़ने वाले की रुचि बनी रहे।
- **विद्वानों के दृष्टिकोणों को शामिल करना :** हम आपको 'तर्क-सामग्री' से लैस करते हैं, जिसमें राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र और दर्शनशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत शामिल होते हैं। हमारे छात्र यह सीखते हैं कि अपने तर्कों को और अधिक वज़नदार तथा प्रामाणिक बनाने के लिए, विभिन्न विचारकों और समकालीन घटनाओं का ज़िक्र स्वाभाविक रूप से कैसे किया जाए।

प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज़

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए केवल 'पाठ्यक्रम जानना' पर्याप्त नहीं; असली कसौटी यह है कि आप उसे दबाव में लागू कर सके या नहीं। संस्कृति IAS में हमारी टेस्ट सीरीज़ सिर्फ़ मूल्यांकन का एक ज़रिया नहीं है; यह असल रणभूमि का एक सिमुलेशन है।

हम यह भली-भाँति जानते हैं कि यूपीएससी का प्रश्न-पत्र अब तेज़ी से विश्लेषणात्मक, बहु-स्तरीय और अंतःविषयक प्रश्नों की दिशा में बढ़ रहा है। हमारा कार्यक्रम 2025-2026 की इन्हीं प्रवृत्तियों को ध्यान में रखकर सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, ताकि किसी कठिन प्रश्न से आपका पहला सामना यूपीएससी परीक्षा केंद्र में नहीं, बल्कि हमारे कक्षा-कक्ष में हो।

संस्कृति IAS टेस्ट सीरीज़ : मूल्यांकन का 'गोल्ड स्टैंडर्ड'

हमारे प्रिलिम्स और मेन्स टेस्ट मॉड्यूल, विशेषज्ञों की एक कोर रिसर्च टीम द्वारा डिज़ाइन किए गए हैं, ताकि आपको दिल्ली में परीक्षा का सबसे प्रामाणिक अनुभव मिल सके।



- **यूपीएससी स्तर की कठिनाई का अनुकरण :** हम टेस्ट को अनावश्यक रूप से बहुत कठिन या बहुत आसान बनाने के जाल से बचते हैं। हमारे प्रश्न, हाल के वर्षों में देखी गई सटीक जटिलता और 'कथन-आधारित पैटर्न' (जैसे 'केवल एक', 'केवल दो' युग्म) के अनुरूप तैयार किए जाते हैं।
- **प्रवृत्ति के अनुरूप प्रश्न संग्रह :** चाहे प्रारंभिक परीक्षा में पर्यावरण और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का बढ़ता महत्त्व हो या मुख्य परीक्षा में दार्शनिक प्रश्नों की ओर झुकाव; हमारे टेस्ट, आयोग की सबसे मौजूदा प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।
- **सुझावात्मक एवं विश्लेषणात्मक मूल्यांकन :** मुख्य परीक्षा के लिए हमारी प्रतिपुष्टि केवल 'अच्छा' या 'बुरा' तक सीमित नहीं रहती। हम एक सुझावात्मक समीक्षा प्रदान करते हैं; जो यह बताती है कि आपकी संरचना में कहाँ चूक हुई, कौन से आयाम छूट गए और आँकड़ों व मानचित्रों के प्रयोग से प्रति प्रश्न उन महत्वपूर्ण 1-2 अंक को कैसे बढ़ाया जा सकता है।



- **व्यापक कवरेज एवं अप्रत्याशित स्थितियों की तैयारी :** हमारे अच्छी तरह से शोध किए गए टेस्ट, पाठ्यक्रम के पूरे दायरे को कवर करते हैं। जिनमें प्राचीन प्रशासनिक शब्दावली या विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों जैसे 'चौंकाने वाले क्षेत्र' भी सम्मिलित हैं; ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में आप शांत और आत्मविश्वासी बने रहें।
- **टेस्ट पश्चात् विचार-मंथन एवं चर्चा :** हर टेस्ट के बाद, हमारे विशेषज्ञ कंटेंट निर्माताओं द्वारा उत्तरों की गहन व्याख्या की जाती है। हम आपको केवल 'उत्तर कुंजी' ही नहीं देते; हम आपको प्रिलिम्स के लिए 'एलिमिनेशन टेक्निक' और मेन्स के लिए 'तर्क-प्रस्तुति की कला' सिखाते हैं।

समसामयिकी विशेष कार्यक्रम

यूपीएससी कोचिंग की प्रतिस्पर्धी दुनिया में विद्यार्थी प्रायः ज़्यादा सामग्री देखकर अभिभूत हो जाते हैं। आपकी तैयारी को अधिक समग्र बनाने के लिए यह आवश्यक है कि सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम को समसामयिक घटनाओं के साथ भली-भाँति **समन्वित** किया जाए; ताकि आप नवीनतम घटनाक्रमों से अवगत रहें और अपने परंपरागत सामान्य अध्ययन के विषयों को समकालीन मुद्दों से जोड़ सकें।
हमारा **समसामयिकी विशेष कार्यक्रम** आपको सामग्री के बोझ तले नहीं दबाएगा; बल्कि यह इस प्रकार कार्य करेगा कि आप समसामयिक घटनाओं से समृद्ध हों और प्रत्येक प्रासंगिक समसामयिक मुद्दे के साथ उससे संबंधित परंपरागत पाठ्यक्रम को स्वाभाविक रूप से जोड़ सकें।

पाठ्यक्रम की विशेषताएँ

- **360° सोर्स इंटीग्रेशन (कोई पहलू न छूटे) :** *द हिन्दू , द इंडियन एक्स्प्रेस , बिजनेस स्टैंडर्ड, द लाइव मिंट* आदि प्रमुख समाचारपत्रों से मिली जानकारियों को एकसूत्र में पिरोया जाता है; ताकि आपकी तैयारी में कोई भी महत्त्वपूर्ण पक्ष अनछुआ न रह जाए।
- **एडिटोरियल मास्टरक्लास :** हमारा प्रोग्राम *द हिन्दू* और *द इंडियन एक्स्प्रेस* के एडिटोरियल्स की गहराई से पड़ताल करता है और आपको **बहुआयामी तर्क** गढ़ने की कला सिखाता है।
- **चुनिंदा रिवीजन नोट्स :** हम पूरे साल इंडिया ईयर बुक, योजना और कुरुक्षेत्र के तथ्यों और डेटा को अपने कोर्स में शामिल करते हैं।
- **उपयोग के लिए तैयार तर्क-सामग्री :** हम *द इंडियन एक्स्प्रेस* और डाउन टू अर्थ से 'केस स्टडीज़' निकालते हैं, ताकि आपको अनोखे उदाहरणों का एक खज़ाना मिल सके। इनका इस्तेमाल आप सीधे अपने सामान्य अध्ययन-4 (एथिक्स) और सामान्य अध्ययन के दूसरे हिस्सों, यहाँ तक कि निबंध में भी कर सकते हैं।
- **सरकारी स्रोत और विश्वसनीयता :** पीआईबी अपडेट्स, योजना, कुरुक्षेत्र और इंडिया ईयर बुक के चुनिंदा सारांश, ताकि आपकी सोच यूपीएससी के मूल्यांकन की उम्मीदों के मुताबिक हो सके।
- **पिंक पेपर के साथ आर्थिक बढ़त :** द इकनॉमिक टाइम्स और बिजनेस स्टैंडर्ड के हमारे उच्च-स्तरीय विश्लेषण की मदद से भारतीय अर्थव्यवस्था की बारीकियों को समझें।
- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को सरल बनाएँ :** नवीनतम वैज्ञानिक उपलब्धियों और गहन तकनीकी चर्चाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि प्रारंभिक परीक्षा के **वे महत्त्वपूर्ण प्रश्न** आपसे कभी न चूकें।
- **स्टैटिक से करेंट की कनेक्टिविटी (ब्रिज मेथड) :** प्रत्येक व्याख्यान में समाचारों को स्टैटिक पाठ्यक्रम से जोड़ा जाता है, जैसे **सर्वोच्च न्यायालय के किसी निर्णय** को संविधान (राजनीति विज्ञान) से या **जलवायु परिवर्तन की खबर** को भूगोल और पर्यावरण से; ताकि तैयारी एकीकृत, सजीव और परीक्षोपयोगी बने।



सिविल सेवा परीक्षा में वैकल्पिक विषय का चयन कैसे करें?

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में 26 वैकल्पिक विषयों की सूची दी गई है। प्रत्येक अभ्यर्थी को इनमें से किसी एक का चयन करना अनिवार्य है। जो उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा पास कर मुख्य परीक्षा में पहुँचते हैं, उन्हें सामान्य अध्ययन एवं निबंध के साथ-साथ वैकल्पिक विषय की भी परीक्षा देनी होती है।

अंकों का गणित और वैकल्पिक विषय की अहमियत

- पिछले वर्षों के अध्ययन से स्पष्ट है कि अंतिम चयन में 1-1 अंक का बहुत महत्व होता है। अंतिम रूप से चयनित उम्मीदवार और उससे कम अंक वाले असफल अभ्यर्थी के बीच का अंतर मुश्किल से 10 अंकों का होता है। अतः हर प्रश्नपत्र में अधिकतम अंक प्राप्त करने का प्रयास आवश्यक है।
- अंकों की दृष्टि से सबसे बड़ी भूमिका सामान्य अध्ययन (1000 अंक) की है — जो मुख्य परीक्षा का लगभग 57% है। इसके बाद वैकल्पिक विषय (500 अंक) का स्थान आता है। पूरे पाठ्यक्रम में यह एकमात्र ऐसा प्रश्नपत्र है जिसके चयन को लेकर अभ्यर्थियों में सबसे अधिक संशय और दुविधा होती है, क्योंकि यह अनिवार्य न होकर 26 विकल्पों में से स्वेच्छा से चुना जाता है।

वैकल्पिक विषय चयन की प्रचलित भ्रांतियाँ

परीक्षार्थियों में कई धारणाएँ प्रचलित हैं, जैसे-

- हिंदी माध्यम के लिए साहित्य के विषय (हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी आदि) सर्वोत्तम होते हैं।
- विज्ञान के विषय मानविकी से अधिक अंकदायी होते हैं, इसलिए इंजीनियरिंग-मेडिकल पृष्ठभूमि वालों का चयन अधिक होता है।
- उच्च डिग्री स्तर पर पढ़े विषय में नए उम्मीदवारों से अधिक अंक मिलते हैं।
- ये धारणाएँ जब तक सपनों को दाँव पर न लगाएँ, तब तक ठीक हैं; परंतु यदि इनके कारण समय और धन की बर्बादी हो, तो इन्हें तोड़ना आवश्यक है।



सच तो यह है कि सिविल सेवा परीक्षा में अधिक लिखने से अधिक अंक नहीं मिलते, बल्कि सटीकता, गहनता और स्पष्टता से अंक मिलते हैं।

सही चयन के लिए पाँच आधार

1. क्या विषय चयन की दृष्टि से सुरक्षित है?

- किसी भी विषय को 'सुरक्षित' तब माना जाता है जब उसमें सफलता की दर स्थिर हो।
- **यूपीएससी की वार्षिक रिपोर्ट :** पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों का अध्ययन करें तो ज्ञात होता है कि इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन जैसे विषयों से सफल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या अधिक रही है।
- **स्कोरिंग पैटर्न :** कुछ विषय 'लो-रिस्क' माने जाते हैं क्योंकि उनमें औसत अंक मिल जाते हैं, जबकि कुछ विषयों में अंक या तो बहुत अधिक आते हैं या बहुत कम।

2. क्या विषय संपूर्ण तैयारी में सहायक है?

- यह आधार समय प्रबंधन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।
- **समान पाठ्यक्रम :** यदि आप इतिहास और भूगोल जैसे विषय का चयन करते हैं, तो इनका एक बड़ा हिस्सा सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्रों (प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा) में भी शामिल होता है।
- **निबंध में लाभ :** दार्शनिक विषयों (जैसे दर्शनशास्त्र) का ज्ञान निबंध लेखन में वैचारिक गहराई प्रदान करता है।

3. क्या विषय आपकी रुचि का है?

- वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम काफी विस्तृत होता है, जिसे आपको गहराई से और बार-बार पढ़ना पड़ता है।
- यदि विषय में आपकी रुचि नहीं है, तो कुछ समय बाद वह बोझिल लगने लगेगा।
- रुचि होने पर आप कठिन टॉपिक्स को भी आसानी से समझ लेते हैं और उत्तर लेखन में मौलिकता ला पाते हैं।

4. क्या अकादमिक पृष्ठभूमि निर्णायक है?

- यह एक प्रचलित भ्रांति है कि केवल डिग्री वाले विषय में ही अच्छे अंक मिलते हैं।
- यूपीएससी में कई अभ्यर्थी अपने स्नातक के विषय से इतर विषयों (जैसे इंजीनियरों द्वारा मानविकी विषय लेना) के साथ शीर्ष रैंक प्राप्त करते हैं।
- हालाँकि, यदि आपकी अपने कॉलेज के विषय पर अच्छी पकड़ है और वह अंकदायी भी है, तो उसे चुनना समय बचाने वाला होता है।

5. क्या अच्छा मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री उपलब्ध है?

एक बेहतरीन विषय भी बिना सही सामग्री के घातक सिद्ध हो सकता है। चयन से पहले यह सुनिश्चित करें :

- **अध्ययन सामग्री :** क्या मानक पुस्तकें और नोट्स आसानी से उपलब्ध हैं?
- **कोचिंग/मेंटरशिप :** क्या विषय की बारीकियों को समझाने के लिए विशेषज्ञ शिक्षक उपलब्ध हैं?
- **टेस्ट सीरीज :** क्या उत्तर लेखन के अभ्यास और मूल्यांकन के लिए पर्याप्त विकल्प मौजूद हैं?
- किसी भी विषय का चयन केवल दूसरों की देखा-देखी या 'ट्रेंड' के आधार पर न करें। इन मानदंडों पर उस विषय को परखें। आदर्श स्थिति वह है जहाँ रुचि और सामग्री की उपलब्धता का मिलन हो।

संस्कृति IAS में उपलब्ध वैकल्पिक विषय

इतिहास	भूगोल

इंटरव्यू गाइडेंस प्रोग्राम

पर्सनैलिटी टेस्ट यूपीएससी यात्रा की अंतिम और सर्वाधिक निर्णायक कसौटी है। यह वह पड़ाव है जहाँ आपका ज्ञान पृष्ठभूमि में चला जाता है और आपका चरित्र, संयम तथा प्रशासनिक दृष्टिकोण केंद्र में आ जाता है।

संस्कृति IAS में, हम समझते हैं कि अनुभवी नौकरशाहों और विशिष्ट शिक्षाविदों से गठित साक्षात्कार बोर्ड किताबी उत्तरों की तलाश में नहीं होता; वह एक ऐसे नेतृत्वकर्ता की खोज में होता है जो संतुलित सोच और सहानुभूतिपूर्ण विश्वदृष्टि से संपन्न हो।

हमारा इंटरव्यू गाइडेंस प्रोग्राम इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर सूक्ष्मता से तैयार किया गया है; ताकि आपके 'ऑफिसर-लाइक क्वालिटीज़' को परिष्कृत किया जा सके और आपकी कच्ची प्रतिभा को एक परिपक्व, आत्मविश्वासी और राष्ट्रसेवा के लिए तत्पर व्यक्तित्व में रूपांतरित किया जा सके।

संस्कृति IAS इंटरव्यू गाइडेंस प्रोग्राम के लाभ : अपने अंदर के लीडर को निखारें

- **समग्र DAF और डेमोग्राफ़िक प्रोफ़ाइलिंग :** आपका विस्तृत आवेदन प्रपत्र (DAF) आपके साक्षात्कार का आधार-स्तंभ है। हम आपकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि, गृह-राज्य, अभिरुचियों और कार्य-अनुभव का पंक्ति-दर-पंक्ति गहन अध्ययन करते हैं; ताकि हर संभावित प्रश्न के लिए आप तैयार रहें और अपने उत्तर को आत्मविश्वास एवं प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत कर सकें।
- **बेहतरीन मेंटर्स के साथ मॉक पैनल का अनुभव :** धौलपुर हाउस के वास्तविक दबाव का अनुभव यहीं से लीजिए। हमारे मॉक पैनल में सेवानिवृत्त आईएएस/पीसीएस अधिकारी और वरिष्ठ शिक्षाविद् सम्मिलित होते हैं, जो इतना यथार्थपरक अनुकरण प्रस्तुत करते हैं कि वास्तविक साक्षात्कार के समय आप सहज और निश्चिंत अनुभव करें; मानो यह भी एक सामान्य संवाद हो।
- **ज्वलंत मुद्दों का गहन विश्लेषण :** हम समसामयिक सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक विमर्शों पर विशेष सत्र आयोजित करते हैं। हमारे विशेषज्ञ आपको पक्ष-विपक्ष की सीमित सोच से ऊपर उठाकर एक परिपक्व, सिविल सेवक जैसी सोच विकसित करने में मदद करते हैं; जो समावेशी, संवैधानिक और समाधान-उन्मुख हो।

SanskritiIAS

संस्कृति IAS



दिल्ली केंद्र

636, भू-तल,
डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली-110009

प्रयागराज केंद्र

महाराणा प्रताप चौराहा,
स्टैनली रोड, सिविल लाइन्स,
प्रयागराज, उ.प्र.-211002

9555-124-124 sanskritiias.com

FOLLOW US ON:

Sanskriti App

Sanskriti Website

Download **SanskritiIAS** APP

GET IT ON Google Play